नवोदय टाइम्स

टेलीमेडिसिन : शहर से गांवों तक बदली इलाज की तस्वीर

■ टेली कंसल्टेंसी और ई संजीवनी से घर बैठे मिल रही स्वास्थ्य सलाह

श्यामपुर, 14 अप्रैल (नवोदय टाइम्स): अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश ने टेलीमेडिसिन सेवा के माध्यम से उत्तराखंड के सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों तक स्वास्थ्य परामर्श उपलब्ध करवाकर मील का पत्थर स्थापित किया है।

चिकित्सा परामर्श और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से एम्स ने कोविड काल से पूर्व 2018 में टेलिमेडिसिन सेवा की शुरुआत की थी लेकिन 5 अगस्त 2023 को संस्थान में 'डिपार्टमेन्ट ऑफ टेलिमेडिसिन एण्ड बायोमेडिकल इन्फॉर्मेटिक' की स्थापना होने के बाद अलग विभाग गठित कर दिया गया। इससे सैकड़ों किमी दूर घर बैठे व्यक्ति तक स्वास्थ्य परामर्श उपलब्ध करवाना आसान हुआ। पिछले 3 वर्षों के दौरान अभी तक 46 हजार 189 से अधिक लोग इस सेवा का लाभ उठा चुके हैं।

ऐसे मिलेगा सेवा का लाभ

टेलि कंसल्टेशन के लिए संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर कुछ महत्वपूर्ण टेलीफोन नंबर प्रदर्शित किए गए हैं। इन पर फोन कर स्वास्थ्य परामर्श लिया जा सकता है। इसके अलावा ई-संजीवनी पोर्टल का उपयोग कर वीडियो कॉल के माध्यम से भी विशेषज्ञों से परामर्श लेने की सुविधा संस्थान द्वारा संचालित की जा रही है।

ट्रॉमाटेलीमेडिसिनटोलफ्री नंबर- 18001804278, इमरजेंसी टेलीमेडिसिन नंबर- 7060005829/ 0135-2462503, टेली मेडिसिन फॉलोअप नम्बर- 7302895044, आई वैक नम्बर- 9068563883/0135- 2460835।

इन विभागों से मिल रहा स्वास्थ्य परामर्श

एम्स ऋषिकेश की टेलीमेडिसिन सेवा द्वारा सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलाजी, बाल चिकित्सा सर्जरी, मूत्र विज्ञान, पल्मोनरी मेडिसिन, ई.एन.टी, एंडोक्रिनोलॉजी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बर्न और प्लास्टिक सर्जरी, त्वचा विज्ञान, न्यूरोसर्जरी, आर्थोपेडिक्स, जनरल मेडिसिन, और मेडिकल आन्कोलॉजी सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित स्तर पर स्वास्थ्य परामर्श देते है।

"हमारे डॉक्टर ऑनलाइन माध्यम से नियमित स्तर पर रोगियों की समस्याएं सुनकर उन्हे आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श दे रहे है। संस्थान की टेलिमेडिसिन सेवा पर रोगियों ने लगातार भरोसा जताया है। यह दूर-दराज के लोगों के लिए एक जीवन रक्षक प्रणाली भी है। इस सेवा से लोगों को अस्पताल तक की लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती है और समय की बचत के साथ ही खर्चा भी कम होता है। संस्थान का प्रयास है कि इसे और अधिक प्रभावी बनाया जाए।

- प्रो. मीनू सिंह, कार्यकारी निदेशक एम्स ऋषिकेश।

स्वतंत्र चेतना

टेलीमेडिसिन से बदली इलाज की तस्वीर, सुदूर पहाड़ों तक पहुंचीं एम्स की सेवाएं

स्वतंत्र चेतना

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश ने टेलीमेडिसिन सेवा के माध्यम से उत्तराखंड के दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की नई राह खोल दी है। तकनीक के सहारे अब दूर-दराज के गांवों में रहने वाले लोग भी घर बैठे विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श ले पा रहे हैं। वर्ष 2018 में शुरू हुई इस पहल को 5 अगस्त 2023 को टेलिमेडिसिन एवं बायोमेडिकल इंफॉर्मेटिक विभाग की स्थापना के बाद और मजबूती मिली, जिससे सेवाओं का दायरा तेजी से बढ़ा। पिछले तीन वर्षों में 46 हजार से अधिक मरीज इस सुविधा का लाभ उठा चुके हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भरोसा भी बढ़ा है। एम्स की इस सेवा के तहत टेली-कंसल्टेशन और टेली-एजुकेशन दोनों सुविधाएं संचालित की जा रही हैं। मरीज फोन या ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से वीडियो कॉल कर विशेषज्ञों से सीधे जुड़ सकते हैं। सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, बाल चिकित्सा, ईएनटी, स्त्री रोग, आथोर्पेडिक्स, न्यूरोसर्जरी सहित कई विभागों के चिकित्सक नियमित परामर्श दे रहे हैं, जिससे मरीजों को लंबी दूरी तय करने और अतिरिक्त खर्च से राहत मिल रही है। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि टेलीमेडिसिन केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि दूरस्थ क्षेत्रों के लिए जीवन रेखा बन चुकी है। उन्होंने कहा कि एम्स का लक्ष्य इस सेवा को और अधिक प्रभावी बनाकर हर जरूरतमंद तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है, ताकि कोई भी व्यक्ति इलाज के अभाव में परेशान न हो।

हिन्दुस्तान

एम्स ऋषिकेश की टेलीमेडिसिन बनी जीवनरेखा

ऋषिकेश, संवाददाता। एम्स ऋषिकेश ने टेलीमेडिसिन सेवा के जरिए उत्तराखंड के सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों तक स्वास्थ्य परामर्श पहुंचाकर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पिछले तीन वर्षों में 46,189 से अधिक लोग इस सेवा से लाभांवित हो चुके हैं।

संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह के अनुसार घर बैठे चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2018 में, कोविडकाल से पहले टेलीमेडिसिन सेवा शुरू की गई थी। 5 अगस्त 2023 को 'डिपार्टमेंट ऑफ टेलिमेडिसिन एंड बायोमेडिकल इन्फॉर्मेटिक्स' की स्थापना के बाद इस सेवा को और सशक्त बनाया गया, जिससे दूरदराज के मरीजों तक विशेषज्ञ परामर्श पहुंचाना आसान हुआ और लाभार्थियों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई। उन्होंने बताया कि टेलीमेडिसिन के तहत संस्थान टेली-एजुकेशन और टेली-परामर्श जैसी सुविधाएं प्रदान कर रहा है। विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले उत्तराखंड में यह सेवा किसी वरदान से कम नहीं है। इसका लाभ मरीजों को मिल रहा है।

इन विभागों से मिल रहा परामर्श

इस सेवा के अंतर्गत सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, बाल चिकित्सा सर्जरी, मूत्र विज्ञान, पल्मोनरी मेडिसिन, ईएनटी, एंडोक्रिनोलॉजी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी, त्वचा विज्ञान, न्यूरोसर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, जनरल मेडिसिन और मेडिकल ऑन्कोलॉजी सहित कई विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टर परामर्श दे रहे हैं।

ऐसे लें टेली मेडिसिन सेवा का लाभ

टेली-कंसल्टेशन के लिए संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर महत्वपूर्ण फोन नंबर उपलब्ध हैं, जिन पर कॉल कर परामर्श लिया जा सकता है। इसके अलावा ई-संजीवनी पोर्टल पर विशेषज्ञों से संपर्क किया जा सकता है।

इन नंबरों पर करें संपर्क

- ट्रॉमा टेलीमेडिसिन टोल फ्री नंबर: 18001804278
- इमरजेंसी टेलीमेडिसिन: 7060005829 / 0135-2462503
- टेलीमेडिसिन फॉलोअप: 7302895044
- आई बैंक: 9068563883 / 0135-2460835

अमर उजाला

एम्स : सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों तक पहुंची स्वास्थ्य सेवा

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने पिछले तीन वर्षों में उत्तराखंड के सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों तक 46 हजार से अधिक लोगों को टेलीमेडिसिन सेवा के माध्यम से स्वास्थ्य परामर्श उपलब्ध करवाकर मील का पत्थर स्थापित किया है।

बीते कुछ वर्षों के दौरान संस्थान ने विषम भौगोलिक परिस्थिति वाले राज्य में न केवल प्रत्येक व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाना अपना लक्ष्य बनाया बल्कि तकनीक आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौतियों को भी दूर करने में प्राथमिकता बरती है।

एम्स ने कोविड काल से पूर्व वर्ष 2018 में टेलीमेडिसिन सेवा की शुरुआत की थी। पांच अगस्त 2023 को संस्थान में डिपार्टमेंट ऑफ टेलीमेडिसिन एंड बायोमेडिकल इंफॉर्मेटिक्स की स्थापना होने के बाद इसके लिए एक अलग विभाग गठित कर दिया गया।

टेलीमेडिसिन सेवा के तहत संस्थान की ओर से टेली-एजुकेशन और टेली-परामर्श दो अलग-अलग स्वास्थ्य सुविधाएं संचालित की जाती हैं। विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य में एम्स की यह स्वास्थ्य सेवाएं किसी वरदान से कम नहीं हैं। बीते 3 वर्षों के दौरान अभी तक करीब 46 हजार 189 से अधिक लोग इस सेवा का लाभ उठा चुके हैं। टेली कंसल्टेशन के लिए संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर कुछ महत्वपूर्ण टेलीफोन नंबर प्रदर्शित किए गए हैं। इन नंबरों पर फोन कर स्वास्थ्य परामर्श लिया जा सकता है। इसके अलावा ई-संजीवनी पोर्टल का उपयोग कर वीडियो कॉल के माध्यम से भी विशेषज्ञों से परामर्श लेने की सुविधा संस्थान की ओर से उपलब्ध कराई जा रही है।

टेलीमेडिसिन सेवा के लिए इन नंबरों पर करें संपर्क

- ट्रॉमा टेलीमेडिसिन टोल फ्री नंबर - 18001804278, इमरजेंसी टेलीमेडिसिन नंबर- 7060005829/0135-2462503, टेलीमेडिसिन फॉलोअप नंबर- 7302895044, आई बैंक नंबर- 9068563883/0135-2460835

एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि संस्थान के चिकित्सक ऑनलाइन माध्यम से नियमित स्तर पर रोगियों की समस्याएं सुनकर उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श दे रहे हैं। संस्थान की टेलीमेडिसिन सेवा पर रोगियों ने लगातार भरोसा जताया है।

यह केवल एक स्वास्थ्य तकनीक ही नहीं है, बल्कि दूर-दराज के लोगों के लिए एक जीवन रक्षक प्रणाली भी है। इस सेवा से लोगों को अस्पताल तक की लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती है और समय की बचत के साथ ही खर्चा भी कम होता है। संवाद